

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

चर्चा में क्यों?

शोधकर्ताओं ने राजस्थान के [डेजरट नेशनल पार्क \(DNP\)](#) में 12 [ग्रेट इंडियन बस्टर्ड \(GIB\)](#) देखे। इससे भारत की सबसे गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों में से एक को **संरक्षित करने के प्रयासों को बढ़ावा** मिला है।

मुख्य बटु

- **GIB जनसंख्या स्थिति:**
 - GIB गंभीर रूप से संकटग्रस्त है तथा केवल 173 पक्षी ही बचे हैं।
 - इनमें से 128 प्रजातियों वनों में नविस करती हैं, जबकि अन्य पक्षियों को कैद में रखा जाता है।
 - राजस्थान के अलावा यह प्रजाति [गुजरात](#), [महाराष्ट्र](#), [मध्य प्रदेश](#), [आंध्र प्रदेश](#) और [कर्नाटक](#) में भी पाई जाती है।
- **संरक्षण प्रयास:**
 - शिकार, आवास की कृषता और वखिंडन के कारण वर्ष 2011 में [IUCN रेड लिस्ट](#) में GIB को "गंभीर रूप से संकटग्रस्त" के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।
 - इसके जवाब में, राजस्थान ने इस प्रजाति के संरक्षण के लिये वर्ष 2013 में 12.90 करोड़ रुपए की परियोजना शुरू की, जिसका उद्देश्य इसके आवास की सुरक्षा और प्रजनन की स्थिति में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना था।
 - इस परियोजना के तहत दो स्थानों, सम और रामदेवरा में 45 बस्टर्ड का सफल प्रजनन किया गया।
- **आवास संरक्षण और प्रजनन:**
 - देखे गए पक्षी जंगल में पैदा हुए थे, जिनमें से अधिकांश मादाएँ तीन से चार वर्ष की थीं तथा कुछ नर एक वर्ष तक के थे।
 - उनके आवास की सुरक्षा के प्रयासों में घास के मैदानों में सुधार करना और पक्षियों को [रेगसि्तानी लोमड़ियों](#), [बलिलियों](#) और [नेवलों](#) जैसे शिकारियों से बचाने के लिये बाड़ लगाना शामिल है।
- **संरक्षण में मील का पत्थर:**
 - वर्ष 2018 में [भारतीय वन्यजीव संस्थान](#) ने राजस्थान सरकार और वन विभाग के साथ मिलकर [जैसलमेर में राष्ट्रीय संरक्षण प्रजनन केंद्र](#) की स्थापना की।
 - अक्टूबर 2024 में, राजस्थान ने एक मील का पत्थर प्राप्त किया जब कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से एक ग्रेट इंडियन बस्टर्ड का सफलतापूर्वक जन्म हुआ।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

